विश्व एड्स दिवस प्रतिवेदन

01.12.2017

आज दिनांक 01.12.2017 को हिन्दुपत इन्टीट्यूट के सेमीनार हॉल में विश्व एड्स दिवस पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम संचालनकर्ता डॉ. प्रशांत जैन द्वारा प्रभारी प्राचार्य डॉ. रामनिवास हुड्डा, प्रबंधक श्री राजगोपाल मैग्नम, प्रवक्ता एवं मुख्य वक्ता श्री विनोद कुमार सुथार एवं सुश्री स्वाति जैन को मंच पर आमंत्रित किया गया।

मुख्य वक्ता एवं अतिथि द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सरस्वती वंदना बी.ए.बी.एड. छात्रा रानी ओझा के द्वारा प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों द्वारा सभी मंचासीन पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता श्री विनोद कुमार सुथार ने एड्स के विषय में जानकारी दी कि एड्स की सर्वप्रथम पहचान 1981 ई. में की गई थी। एड्स कि पहचान डॉ. लिब्स के द्वारा की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 दिसम्बर को एड्स दिवस 1988 से मनाने की शुरूआत की थी। श्री सुथार जी ने एड्स के लक्षण, परीक्षण एवं उपचार के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

बी.एड. तृतीय सेमेस्टर विद्यार्थी उज्ज्वल ने एड्स की स्थिति तथा रोगी का आत्मविश्वास बढ़ाने की अपील की।

संस्थान के प्राध्यपक दीपक कुमार यादव ने एड्स की जानकारी के सम्बन्ध में एक **चलचित्र(Documentry)** का प्रदर्शन किया जिसे सभी के द्वारा सराहा गया।

संस्थान के प्रभारी प्राचार्य डॉ. रामनिवास हुड्डा के द्वारा एड्स के विषय में जागरूकता और उसमें लड़ने के लिये अपने आत्मबल को मजबूत बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के अन्त में प्रबंधक श्री राजगोपाल जी के द्वारा सभी पदाधिकारियों, विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

मानव श्रृंखलाः–

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति के रूप में संस्थान के सभी विद्यार्थियों और कर्मचारियों द्वारा एड्स मोनो की मानव श्रृंखला का निर्माण किया और एड्स के प्रति जागरूक और लड़ने का संकल्प लिया।